

## १. नवकार महामंत्र

नमो अरिहंताणं.

नमो सिद्धाणं.

नमो आयरियाणं.

नमो उवज्झायाणं.

नमो लोए सव्व-साहूणं.

एसो पंच-नमुक्कारो, सव्व-पाव-प्पणासणो;

मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु— इन पंच [पांच] परमेष्ठियों को नमस्कार किया गया है. इस मंत्र से सभी पाप और विघ्न नष्ट हो जाते हैं. यह मन्त्र सभी मंगलों में प्रथम मंगल है.

## 1. navakāra mahāmantra

namo arihantāṇam.

namo siddhāṇam.

namo āyariyāṇam.

namo uvajjhāyāṇam.

namo loe savva-sāhūṇam.

eso pañca-namukkāro, savva-pāva-ppaṇāsaṇo;

maṅgalāṇam ca savvesim, paḍhamam havai maṅgalam.

Introduction of the sūtra :-

By this sūtra [aphorism], obeisance is offered to the arihanta, the siddha, the ācārya, the upādhyāya, and the sādhu—the pañca [five] parameṣṭhīs. By means of this mantra, all sins and impediments get annihilated. This holy hymn is the most auspicious among all the auspices.

## २. पंचिंदिय सूत्र

पंचिंदिय-संवरणो, तह नव-विह-बंधेचर-गुत्तिधरो.  
 चउविह-कसाय-मुक्को, इअ अट्टारस-गुणेहिं संजुत्तो..१.  
 पंच-महव्वय-जुत्तो, पंच-विहायार-पालण-समत्थो.  
 पंच-समिओ तिगुत्तो, छत्तीस-गुणो गुरु मज्झ. .... .२.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में श्री आचार्य महाराज [गुरु] के छत्तीस गुणों का वर्णन है.  
 कोइ भी धार्मिक क्रिया करते समय स्थापनाचार्यजी की स्थापना करने के  
 लिये यह सूत्र बोला जाता है.

## 2. pañcīndiya sūtra

pañcīndiya-samvaraṇo, taha nava-viha-bambhacera-guttidharo.  
 cauviha-kasāya-mukko, ia aṭṭhārasa-guṇehim sañjutto. ....1.  
 pañca-mahavvaya-jutto, pañca-vihāyāra-pālaṇa-samattho.  
 pañca-samio tigutto, chattīsa-guṇo gurū majjha. ....2.

Introduction of the sūtra :-

In this sūtra, there is a description of thirty six qualities of śrī ācārya mahārāja  
 [guru]. This sūtra is uttered to consecrate the sthāpanācāryajī at the time of the  
 performance of any sacred rite.

## ३. खमासमण सूत्र

इच्छामि खमा-समणो! वंदिउं, जावणिज्जाए  
निसीहिआए?, मत्थएण वंदामि. .... .१.

सूत्र परिचय :-

यह सूत्र जिनेश्वर प्रभु और क्षमा-श्रमण [साधु] को वंदन करते समय बोला जाता है.

## 3. khamāsamaṇa sūtra

icchāmi khamā-samaṇo! vandium, jāvaṇijjāe  
nisīhiāe?, matthaena vaṇdāmi. .... .1.

Introduction of the sūtra :-

This sūtra is uttered while offering obeisance to the lord **jineśvara** and **kṣamā-śramaṇa [sādhu]**.

## ४. इच्छकार सूत्र

इच्छकार सुह-राइ? सुह-देवसि? सुख-तप?  
शरीर-निराबाध? सुख-संजम-यात्रा-निर्वहते हो जी?  
स्वामि! शाता है जी? आहार-पानी का लाभ देना जी.

.१.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से गुरु महाराज को सर्व प्रकार से भक्ति पूर्वक सुख-शाता पूछी जाती है और आहार, पानी आदि ग्रहण करने के लिये विनती की जाती है.

## 4. icchakāra sūtra

icchakāra suha-rāi? suha-devasi? sukha-tapa?  
śarīra-nirābādha? sukha-sañjama-yātrā-nirvahate ho jī?  
svāmi! śātā hai jī? āhāra-pānī kā lābha denā jī. ....1.

Introduction of the sūtra :-

By this sūtra, welfare is being asked in all ways to the guru mahārāja with devotion and an entreaty is also made to accept food, water etc.

## ४ अ. अब्भुट्ठिओमि सूत्र

इच्छा-कारेण संदिसह भगवन्! अब्भुट्ठिओमि,  
अब्भितर-देवसिअं खामेउं? इच्छं, खामेमि देवसिअं.  
जं किंचि अपत्तिअं, पर-पत्तिअं; भत्ते, पाणे;  
विणए, वेयावच्चे; आलावे, संलावे; उच्चासणे, समासणे;  
अंतर-भासाए, उवरि-भासाए; जं किंचि मज्झ  
विणय-परिहीणं, सुहुमं वा, बायरं वा; तुब्भे जाणह,  
अहं न जाणामि; तस्स मिच्छा मि दुक्कडं. .... १.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से गुरु महाराज के प्रति हुए अविनय के लिये क्षमा मांगी जाती है.

## 4 A. abbhutthiomi sūtra

icchā-kāreṇa sandisaha bhagavan! abbhutthiomi,  
abbhintara-devasiam khāmeu? iccham, khāmemi devasiam.  
jam kiñci apattiam, para-pattiam; bhatte, pāṇe;  
viṇae, veyāvacce; ālāve, sanlāve; uccāsaṇe, samāsaṇe;  
antara-bhāsāe, uvari-bhāsāe; jam kiñci majjha  
viṇaya-parihiṇam, suhumam vā, bāyaram vā; tubbhe jāṇaha,  
aham na jāṇāmi; tassa micchā mi dukkaḍam. ....1.

introduction of the sūtra :-

By this sūtra, forgiveness is asked for the impoliteness shown towards guru mahārāja.

## ५. इरियावहिया सूत्र

इच्छा-कारेण संदिसह भगवन्! इरियावहियं पडिक्कमामि? इच्छं, इच्छामि पडिक्कमिउं . . . . .	.१.
इरियावहियाए, विराहणाए . . . . .	.२.
गमणागमणे . . . . .	.३.
पाण-क्कमणे, बीय-क्कमणे, हरिय-क्कमणे, ओसा-उत्तिग- पणग-दग-मट्टी-मक्कडा-संताणा-संकमणे . . . . .	.४.
जे मे जीवा विराहिया . . . . .	.५.
एगिंदिया, बेइंदिया, तेइंदिया, चउरिंदिया, पंचिंदिया . . . . .	.६.
अभिहया, वत्तिया, लेसिया, संघाइया, संघट्टिया, परियाविया, किलामिया, उद्विया, ठाणाओ ठाणं संकामिया, जीवियाओ ववरोविया, तस्स मिच्छा मि दुक्कडं . . . . .	.७.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से चलते-फिरते, आते-जाते अपने द्वारा जीव-हिंसा आदि होने

## 5. iriyāvahiyā sūtra

icchā-kāreṇa sandisaha bhagavan! iriyāvahiyam paḍikkamāmi? iccham, icchāmi paḍikkamiu . . . . .	1.
iriyāvahiyāe, virāhaṇāe . . . . .	2.
gamaṇāgamaṇe . . . . .	3.
pāṇa-kkamaṇe, bīya-kkamaṇe, hariya-kkamaṇe, osā-uttiṅga- paṇaga-daga-maṭṭī-makkaḍā-santāṇā-saṅkamaṇe . . . . .	4.
je me jīvā virāhiyā . . . . .	5.
egindiyā, beindiyā, teindiyā, caurindiyā, pañcindiyā . . . . .	6.
abhihayā, vattiyā, lesiyā, saṅghāiyā, saṅghaṭṭiyā, pariyāviyā, kilāmiyā, uddaviyā, ṭhāṇāo ṭhāṇam saṅkāmiyā, jīviyāo vavaroviyā, tassa micchā mi dukkaḍam . . . . .	7.

Introduction of the sūtra :-

As a pre-rite, micchā mi dukkaḍam is being said for the sins attached due to the

के कारण लगे हुए पापों को नष्ट करने के लिये पूर्व क्रिया रूप **मिच्छा मि दुक्कडं** दिया जाता है.

violence etc. of living beings caused by us while walking-moving, going-coming are being destroyed by this **sūtra**.

## ६. तस्स उत्तरी सूत्र

तस्स उत्तरी-करणेणं, पायच्छित्त-करणेणं,  
विसोही-करणेणं, विसल्ली-करणेणं, पावाणं कम्माणं  
निग्घायणट्ठाए, ठामि काउस्सग्गं. .... १.

सूत्र परिचय :-

इरियावहिया सूत्र से पापों की सामान्य शुद्धि रूप प्रतिक्रमण करने के बाद भी बचे हुए पापों को नाश करने के लिए [विशेष शुद्धि के लिए] उत्तर क्रिया रूप काउस्सग्ग के पांच हेतु इस सूत्र में बताये हैं.

## 6. tassa uttarī sūtra

tassa uttarī-karaṇeṇaṃ, pāyacchitta-karaṇeṇaṃ,  
visohī-karaṇeṇaṃ, visallī-karaṇeṇaṃ, pāvāṇaṃ kammaṇaṃ  
nigghāyaṇaṭṭhāe, ṭhāmi kāussaggam. .... 1.

Introduction of the sūtra :-

As a subsequent rite, in this sūtra, five purposes of the kāussagga for destroying the sins [for rectifying distinctively] that remain even after performing normal rectification of pratikramaṇa of the sins by iriyāvahiyā sūtra are shown.

## ७. अन्नत्थ सूत्र

अन्नत्थ-ऊससिएणं, नीससिएणं, खासिएणं, छीएणं,  
जंभाइएणं, उड्डुएणं, वाय-निसग्गेणं, भमलीए,  
पित्त-मुच्छाए. .... १.  
सुहुमेहिं अंग-संचालेहिं, सुहुमेहिं खेल-संचालेहिं,  
सुहुमेहिं दिट्ठि-संचालेहिं. .... २.  
एवमाइएहिं आगारेहिं, अ-भग्गो अ-विराहिओ,  
हुज्ज मे काउस्सग्गो. .... ३.  
जाव अरिहंताणं भगवंताणं, नमुक्कारेणं  
न पारेमि. .... ४.  
ताव कायं ठाणेणं मोणेणं झाणेणं, अप्पाणं वोसिरामि. ५.  
सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में काउस्सग्ग करते समय स्वाभाविकतया होनेवाली शारीरिक क्रियाओं से काउस्सग्ग को भंग न होने देने के लिए सोलह आगारों का

## 7. annattha sūtra

annattha-ūsasiēṇam, nīsasiēṇam, khāsiēṇam, chīēṇam,  
jambhāiēṇam, uḍḍuēṇam, vāya-nisaggeṇam, bhamaliē,  
pitta-mucchāē. .... 1.  
suhumehim aṅga-sañcālehim, suhumehim khela-sañcālehim,  
suhumehim diṭṭhi-sañcālehim. .... 2.  
evamāiēhim āgārehim, a-bhaggo a-virāhio,  
hujja me kāussaggo. .... 3.  
jāva arihantāṇam bhagavantāṇam, namukkāreṇam  
na pāremi. .... 4.  
tāva kāyam ṭhāṇeṇam moṇeṇam jhāṇeṇam, appāṇam vosirāmi.  
.5.

## Introduction of the sūtra :-

This sūtra contains a description of sixteen āgāras [exemptions] for not allowing

वर्णन तथा काउस्सग्ग को दृढ़ता पूर्वक पूर्ण करने की मर्यादा बतलायी गयी है.

the **kāussagga** to be broken or upset owing to the body's movement occurring naturally while performing the **kāussagga** and the decorum has been shown to complete the **kāussagga** with firmness.



आरुग्ग-बोहि-लाभं, समाहि-वर-मुत्तमं-दितु. .... .६.

चंदेसु निम्मल-यरा, आइच्चेसु अहियं पयास-यरा.

सागर-वर-गंभीरा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु. .... .७.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में नाम पूर्वक चौबीस तीर्थकरों की तथा गर्भित रूप में तीनों काल के सर्व तीर्थकरों की स्तुति की गयी है एवं सम्यग्-दर्शन-ज्ञान-चारित्र रूप रत्न-त्रयी द्वारा मोक्ष प्राप्ति की प्रार्थना की गयी है.

ārugga-bohi-lābham, samāhi-vara-muttamaṃ-dintu. .... .6.

candesu nimmala-yarā, āiccesu ahiyaṃ payāsa-yarā.

sāgara-vara-gambhīrā, siddhā siddhim mama disantu. .... .7.

Introduction of the sūtra :-

In this sūtra, the glorification of twenty four tirthankaras by name and all the tirthankaras of three phases of time by implication is being done and a prayer is being made for the attainment of salvation by means of three gems of right vision, right knowledge and right conduct.

## ९. करेमि भंते सूत्र

करेमि भंते! सामाइयं सावज्जं जोगं पच्चक्खामि,  
जाव नियमं पज्जुवासामि, दुविहं, ति-विहेणं,  
मणेणं, वायाए, काएणं, न करेमि, न कारवेमि,  
तस्स भंते! पडिक्कमामि, निंदामि, गरिहामि,  
अप्पाणं वोसिरामि. .... .१.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में सामायिक ग्रहण करने का और सावद्य योग रूप पाप का त्याग करने का पच्चक्खाण है. अर्थात् मन-वचन-काया से कोई भी पाप न करने, न कराने एवं सामायिक के नियम तक समभाव में रहने का बतलाया है.

## 9. karemi bhante sūtra

karemi bhante! sāmāiyam sāvajjam jogam paccakkhāmi,  
jāva niyamam pajjuvāsāmi, duviham, ti-viheṇam,  
maṇeṇam, vāyāe, kāeṇam, na karemi, na kāravemi,  
tassa bhante! paḍikkamāmi, nindāmi, garihāmi,  
appāṇam vosirāmi. .... .1.

Introduction of the sūtra :-

In this sūtra, there is a vow to under take sāmāyika and to relinquish the sin of harmful deeds. In other words, not to do or promote any sin by thought, word or deed and to be in equanimity till the vow of sāmāyika is shown.

## १०. सामाइय-वय-जुत्तो सूत्र

सामाइय-वय-जुत्तो, जाव मणे होइ नियम-संजुत्तो.  
 छिन्नइ असुहं कम्मं, समाइय जत्तिआ वारा. .... १.  
 सामाइयम्मि उ कए, समणो इव सावओ हवइ जम्हा.  
 एएण कारणेणं, बहुसो सामाइयं कुज्जा. .... २.  
 सामायिक विधि से लिया, विधि से पूर्ण किया,  
 विधि में जो कोई अविधि हुई हो,  
 उन सबका मन-वचन-काया से मिच्छा मि दुक्कडं. . . ३.  
 दस मन के, दस वचन के, बारह काया के-  
 इन बत्तीस दोषों में से जो कोई दोष लगा हो,  
 उन सबका मन-वचन-काया से मिच्छा मि दुक्कडं. . . ४.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में सामायिक व्रत की महिमा बताई गई है. सामायिक करने वाला श्रावक जब तक सामायिक में रहता है, तब तक वह मुनि तुल्य कहा जाता

## 10. sāmāiya-vaya-jutto sūtra

sāmāiya-vaya-jutto, jāva maṇe hoi niyama-sañjutto.  
 chinnai asuham kammam, samāiya jattiā vārā. ....1.  
 sāmāiyammi u kae, samaṇo iva sāvaō havai jamhā.  
 eeṇa kāraṇeṇam, bahuso sāmāiyam kujjā. ....2.  
 sāmāyika vidhi se liyā, vidhi se pūrṇa kiyā,  
 vidhi me, jo koī avidhi huī ho,  
 una sabakā mana-vacana-kāyā se micchā mi dukkaḍam. ....3.  
 dasa mana ke, dasa vacana ke, bāraha kāyā ke-  
 ina battisa doṣo me se jo koī doṣa lagā ho,  
 una sabakā mana-vacana-kāyā se micchā mi dukkaḍam. ....4.

Introduction of the sūtra :-

In this sūtra, the greatness of the sāmāyika vow is shown. As long as śrāvaka, the performer of sāmāyika is in sāmāyika, till then he will be equivalent to a saint.

है. इसलिए पवित्र चारित्र धर्म की आराधना के लिए एवं पुनः पुनः सामायिक करने की भावना को स्थायी बनाने के लिए सामायिक पूर्ण करते समय यह सूत्र बोला जाता है.

Therefore, this **sūtra** is uttered while completing **sāmāyika** to adore the sacred characteristic duties and to maintain the enduring wish of performing the **sāmāyika** again and again.

## ११. जग-चिन्तामणि चैत्य-वन्दन

इच्छा-कारेण संदिसह भगवन्! चैत्य-वन्दन करुं? इच्छं.  
जग-चिन्तामणि! जग-नाह! जग-गुरु! जग-रक्खण!  
जग-बंधव! जग-सत्थवाह! जग-भाव-विअक्खण!  
अट्ठावय-संठविअ-रूव! कम्मट्ठ-विणासण!  
चउवीसं पि जिणवर! जयंतु अ-प्पडिहय-सासण..... .१.  
कम्म-भूमिहिं कम्म-भूमिहिं पढम-संघयणि,  
उक्कोसय सत्तरि-सय जिण-वराण विहरंत लब्भइ;  
नव-कोडिहिं केवलीण, कोडी-सहस्स नव साहु गम्मइ.  
संपइ जिणवर वीस मुणि, बिहुं कोडिहिं वरणाण;  
समणह कोडि-सहस्स-दुअ, थुणिज्जइ निच्च विहाणि..२.  
जयउ सामिय जयउ सामिय रिसह सत्तुंजि,  
उज्जिंति पहु-नेमि-जिण, जयउ वीर सच्चउरी-मंडण;  
भरु-अच्छहिं मुणि-सुव्वय, महुरि-पास दुह-दुरिअ-खंडण,

## 11. jaga-cintāmaṇi caitya-vandana

icchā-kāreṇa sandisaha bhagavan! caitya-vandana karū? iccham.  
jaga-cintāmaṇi! jaga-nāha! jaga-gurū! jaga-rakkhaṇa!  
jaga-bandhava! jaga-satthavāha! jaga-bhāva-viakkhaṇa!  
atthāvaya-saṅṭhavia-rūva! kammaṭṭha-viṇāsaṇa!  
cauvīsam pi jīṇavara! jayantu a-ppaḍihaya-sāsaṇa. ....1.  
kamma-bhūmihim kamma-bhūmihim paḍhama-saṅghayaṇi,  
ukkosaya sattari-saya jīṇa-varāṇa viharanta labbhai;  
nava-koḍihim kevalīṇa, koḍī-sahassa nava sāhu gammai.  
sampa jīṇavara vīsa muṇi, bihum koḍihim varanāṇa;  
samaṇaha koḍi-sahassa-dua, thuṇijjai nicca vihāṇi. ....2.  
jayau sāmiya jayau sāmiya risaha sattuñji,  
ujjinti pahu-nemi-jīṇa, jayau vīra saccaurī-maṇḍaṇa;

अवर-विदेहिं तित्थ-यरा, चिहुं दिसि विदिसि जिं के वि;  
तीआणागय संपइय, वंदउं जिण सव्वे वि. .... .३.

सत्ता-णवइ सहस्सा, लक्खा छप्पन्न अट्ठ-कोडीओ.

बत्तीस-सय बासियाइं, तिअ-लोए चेइए वंदे. .... .४.

पनरस-कोडि-सयाइं, कोडि बायाल लक्ख अडवन्ना.

छत्तीस-सहस-असीइं, सासय-बिंबाइं पणमामि. .... .५.

सूत्र परिचय :-

चैत्य-वंदन के रूप में रचित इस सूत्र से सर्व तीर्थकर भगवंतों, प्रसिद्ध तीर्थों, सर्व चैत्यों [मंदिरों] और जिन प्रतिमाओं की स्तुति तथा श्रमण भगवंतों आदि को वंदन किया गया है.

bharu-acchahim muṇi-suvvaya, mahuri-pāsa duha-duria-  
khaṇḍaṇa,

avara-videhim tittha-yarā, cihum disi vidisi jim ke vi;

tīāṇāgaya sampaiya, vandaum jiṇa savve vi. .... .3.

sattā-ṇavai sahaṣṣā, lakkhā chappanna aṭṭha-koḍīo.

battīsa-saya bāsiyāim, tia-loe ceie vande. .... .4.

panarasa-koḍi-sayāim, koḍi bāyāla lakkhā aḍavannā.

chattīsa-sahasa-asiim, sāsaya-bimbāim paṇamāmi. .... .5.

Introduction of the sūtra :-

The glorification of all the tīrthaṅkara bhagavantas, famous places of pilgrimage, temples and jina idols and obeisance to the śramaṇa bhagavantas etc. is being done by this sūtra composed in the form of a caitya-vandana.

## १२. जं किंचि सूत्र

जं किंचि नाम-तित्थं, सग्गे पायालि माणुसे लोए.  
जाइं जिण-बिंबाइं, ताइं सव्वाइं वंदामि. .... .१.  
सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में तीनों लोक में स्थित सर्व जैन तीर्थों और सर्व जिन प्रतिमाओं को नमस्कार किया गया है.

## 12. jam kiñci sūtra

jam kiñci nāma-tittham, sagge pāyāli māṇuse loe.  
jāim jiṇa-bimbāim, tāim savvāim vandāmi.....1.

Introduction of the sūtra :-

By this sūtra, salutation is being offered to all the **jaina** pilgrim centres and all the **jina** idols existing in the three worlds.

## १३. नमुत्थु णं सूत्र

नमुत्थु णं, अरिहंताणं, भगवंताणं. ....	.१.
आइ-गराणं, तित्थ-यराणं, सयं-संबुद्धाणं. ....	.२.
पुरिसुत्तमाणं, पुरिस-सीहाणं, पुरिस-वर-पुंडरीआणं, पुरिस-वर-गंध-हत्थीणं. ....	.३.
लोगुत्तमाणं, लोग-नाहाणं, लोग-हिआणं, लोग-पईवाणं, लोग-पज्जोअ-गराणं. ....	.४.
अभय-दयाणं, चक्खु-दयाणं, मग्ग-दयाणं, सरण-दयाणं, बोहि-दयाणं. ....	.५.
धम्म-दयाणं, धम्म-देसयाणं, धम्म-नायगाणं, धम्म-सारहीणं, धम्म-वर-चाउरंत-चक्कवट्टीणं. ....	.६.
अप्पडिहय-वर-नाण-दंसण-धराणं, वियट्ट-छउमाणं. .	.७.
जिणाणं, जावयाणं, तिन्नाणं, तारयाणं, बुद्धाणं, बोहयाणं, मुत्ताणं, मोअगाणं. ....	.८.

## 13. namutthu ṇam sūtra

namutthu ṇam, arihantāṇam, bhagavantāṇam. ....	1.
āi-garāṇam, tittha-yarāṇam, sayam-sambuddhāṇam. ....	2.
purisuttamāṇam, purisa-sīhāṇam, purisa-vara-puṇḍarīāṇam, purisa-vara-gandha-hatthīṇam. ....	3.
loguttamāṇam, loga-nāhāṇam, loga-hiāṇam, loga-paīvāṇam, loga-pajjoa-garāṇam. ....	4.
abhaya-dayāṇam, cakkhu-dayāṇam, magga-dayāṇam, saraṇa-dayāṇam, bohi-dayāṇam. ....	5.
dhamma-dayāṇam, dhamma-desayāṇam, dhamma-nāyagāṇam, dhamma-sārahīṇam, dhamma-vara-cāuranta-cakkavattīṇam. ....	6.
appaḍihaya-vara-nāṇa-dansaṇa-dharāṇam, viyaṭṭa-chaumāṇam. .7.	
jiṇāṇam, jāvayāṇam, tinnāṇam, tārayāṇam, buddhāṇam,	

सव्वन्नूणं, सव्व-दरिसीणं, सिव-मयल-मरुअ-मणंत-  
मक्खय-मव्वाबाह-मपुणरावित्ति सिद्धिगइ-नामधेयं  
ठाणं संपत्ताणं, नमो जिणाणं, जिअ-भयाणं. .... .९.

जे अ अईया सिद्धा, जे अ भविस्संति-णागए काले.  
संपइ अ वट्टमाणा, सव्वे ति-विहेण वंदामि. .... .१०.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र द्वारा शक्रेन्द्र अरिहंत भगवान की उनके सर्वश्रेष्ठ गुणों के वर्णन से स्तुति करते हैं.

bohayāṇam, muttāṇam, moagāṇam.....8.

savvannūṇam, savva-darisiṇam, siva-mayala-marua-mañanta-  
makkhaya-mavvābāha-mapuṇarāvitti siddhigai-nāmadheyam  
ṭhāṇam sampattāṇam, namo jiṇāṇam, jia-bhayāṇam. ....9.

je a aiyā siddhā, je a bhavissanti-ṇāgae kāle.

sampai a vaṭṭamāṇā, savve ti-viheṇa vandāmi.....10.

Introduction of the sūtra :-

By this sūtra, śakrendra glorifies lord arihaṇṭa bhagavāna by the attribution of their supreme virtues.

## १४. जावंति-चेइआइं सूत्र

जावंति चेइआइं, उड्ढे अ अहे अ तिरिअ-लोए अ.  
सव्वाइं ताइं वंदे, इह संतो तत्थ संताइं. .... १.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से तीनों लोक में स्थित सर्व जिन चैत्यों को नमस्कार किया जाता है.

## 14. jāvanti-ceiāim sūtra

jāvanti ceiāim, uḍḍhe a ahe a tiria-loe a.  
savvāim tāim vande, iha santo tattha santāim. .... 1.

Introduction of the sūtra :-

By this sūtra, salutation is being done to all the jina temples existing in the three worlds.

## १५. जावंत के वि सूत्र

जावंत के वि साहू, भरहेरवय-महा-विदेहे अ.  
सव्वेसिं तेसिं पणओ, ति-विहेण ति-दंड-विरयाणं. .... १.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से सभी भरत, ऐरावत और महाविदेह क्षेत्र में स्थित सर्व श्रमणों  
[साधुओं] को नमस्कार किया जाता है.

## 15. jāvaṅta ke vi sūtra

jāvaṅta ke vi sāhū, bharahevavaya-mahā-videhe a.  
savvesim tesim paṇao, ti-viheṇa ti-daṅḍa-virayāṇam. .... 1.

Introduction of the sūtra :-

By means of this sūtra, obeisance is being done to all the śramaṇas [sādhus]  
present in all the regions of bhārata, airāvata and mahāvideha.

## १६. नमोर्हत् सूत्र

नमोर्हत्-सिद्धा-चार्योपाध्याय-सर्व-साधुभ्यः..... .१.

सूत्र परिचय :-

श्री सिद्धसेन दिवाकर सूरि द्वारा दृष्टिवाद नामक पूर्व में से उद्धृत इस सूत्र से श्री पंच परमेष्ठी को नमस्कार किया गया है.

## 16. namorhat sūtra

namorhat-siddhā-cāryopādhyāya-sarva-sādhubhyaḥ.....1.

Introduction of the sūtra :-

By means of this sūtra excerpted from the pūrva by name **dr̥ṣṭivāda** by śrī **siddhasena divākara sūri**, obeisance has been offered to the **pañca** [five] **parameṣṭhī**.

## १७. उवसग्ग-हरं स्तोत्र

उवसग्ग-हरं पासं, पासं वंदामि कम्म-घण-मुक्कं.  
 विसहर-विस-निन्नासं, मंगल-कल्लाण-आवासं..... .१.  
 विसहर-फुलिंग-मंतं, कंठे धारेइ जो सया मणुओ.  
 तस्स गह-रोग-मारी, दुट्ठ-जरा जंति उवसामं. .... .२.  
 चिट्ठउ दूरे मंतो, तुज्झ पणामो वि बहु-फलो होइ.  
 नर-तिरिएसु वि जीवा, पावंति न दुक्ख-दोगच्चं..... .३.  
 तुह सम्मत्ते लद्धे, चिंतामणि-कप्प-पायव-ब्भहिए.  
 पावंति अविग्घेणं, जीवा अयरामरं ठाणं..... .४.  
 इय संथुओ महायस! भत्ति-ब्भर-निब्भरेण हिअएण.  
 ता देव! दिज्ज बोहिं, भवे भवे पास! जिण-चंद! .. .५.

सूत्र परिचय :-

श्री भद्रबाहु स्वामी द्वारा रचित इस सूत्र में सर्व विघ्नों को दूर करने वाले श्री पार्श्वनाथ प्रभु के गुणों की स्तुति की गयी है.

## 17. uvasagga-haram stotra

uvasagga-haram pāsam, pāsam vandāmi kamma-ghaṇa-  
 mukkam.  
 visahara-visa-ninnāsam, maṅgala-kallāṇa-āvāsam. ....1.  
 visahara-phuliṅga-mantam, kaṅthe dhārei jo sayā maṇuo.  
 tassa gaha-roga-mārī, duṭṭha-jarā janti uvasāmam. ....2.  
 ciṭṭhau dūre manto, tujjha paṇāmo vi bahu-phalo hoi.  
 nara-tiriesu vi jīvā, pāvanti na dukkha-dogaccam. ....3.  
 tuha sammatte laddhe, cintāmaṇi-kappa-pāyava-bbhahie.  
 pāvanti avigghenam, jīvā ayarāmaram ṭhāṇam. ....4.  
 iya santhuo mahāyasa! bhatti-bbhara-nibbhareṇa hiaeṇa.  
 tā deva! dijja bohim, bhava bhava pāsa! jiṇa-canda!. ....5.

Introduction of the sūtra :-

In this sūtra composed by śrī bhadrabāhu svāmī, the eulogy of the qualities of

## १८. जय वीयराय! सूत्र

जय वीयराय! जग-गुरु!, होउ ममं तुह प्पभावओ भयवं!.  
 भव-निव्वेओ मग्गाणुसारिआ इट्ठफल-सिद्धी. .... .१.  
 लोग-विरुद्ध-च्चाओ गुरु-जण-पूआ परत्थ-करणं च.  
 सुह-गुरु-जोगो तव्वयण-सेवणा आ-भवमखंडा. .... .२.  
 वारिज्जइ जइ वि नियाण-बंधणं वीयराय! तुह समये.  
 तह वि मम हुज्ज सेवा, भवे भवे तुम्ह चलणाणं. .... .३.  
 दुक्ख-क्खओ कम्म-क्खओ,  
 समाहि-मरणं च बोहि-लाभो अ.  
 संपज्जउ मह एअं, तुह नाह! पणाम-करणेणं. .... .४.  
 सर्व-मंगल-मांगल्यं, सर्व-कल्याण-कारणम्.  
 प्रधानं सर्व-धर्माणां, जैनं जयति शासनम्. .... .५.  
 सूत्र परिचय :-

इस सूत्र द्वारा प्रभु से आत्म कल्याण के लिये निर्दोष एवं उत्तम प्रार्थनायें

lord śrī pārśvanātha prabhu, the remover of all impediments is being done.

की गयी हैं.

### 18. jaya vīyarāya! sūtra

jaya vīyarāya! jaga-guru!, hou mamam tuha ppabhāva  
bhayavaṃ!.

bhava-nivveo maggāṇusāriā itṭhaphala-siddhī. ....1.

loga-viruddha-ccāo guru-jaṇa-pūā parattha-karaṇam ca.

suha-guru-jogo tavvayaṇa-sevaṇā ā-bhavamakhaṇḍā. ....2.

vārijjai jai vi niyāṇa-bandhaṇam vīyarāya! tuha samaye.

taha vi mama hujja sevā, bhava bhava tumha calaṇāṇam. ...3.

dukkha-kkhao kamma-kkhao,

samāhi-maraṇam ca bohi-lābho a.

sampajjau maha eam, tuha nāha! paṇāma-karaṇeṇam. ....4.

sarva-maṅgala-māṅgalyam, sarva-kalyāṇa-kāraṇam.

pradhānam sarva-dharmāṇām, jainam jayati śāsanam. ....5.

## १९. अरिहंत-चेइयाणं सूत्र

अरिहंत-चेइयाणं, करेमि काउस्सगं. .... .१.

वंदण-वत्तिआए, पूअण-वत्तिआए, सक्कार-वत्तिआए,  
सम्माण-वत्तिआए, बोहि-लाभ-वत्तिआए,

निरुवसग्ग-वत्तिआए. .... .२.

सद्धाए, मेहाए, धिईए, धारणाए, अणुप्पेहाए

वड्ढमाणीए, ठामि काउस्सगं. .... .३.

अन्नत्थ... [सूत्र-७] .... .४.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में जिन प्रतिमाओं की आराधना के लिये काउस्सग के समय की भावनाओं का वर्णन है.

## Introduction of the sūtra :-

By this **sūtra**, the flawless and superior prayers have been done with the lord for spiritual benefits.

## २०. कल्लाण-कंदं स्तुति

कल्लाण-कंदं पढमं जिणिंदं,  
 संति तओ नेमि-जिणं मुणिंदं.  
 पासं पयासं सुगुणिकक-ठाणं,  
 भत्तीइ वंदे सिरि-वद्धमाणं..१.  
 अपार-संसार-समुद्द-पारं, पत्ता सिवं दिंतु सुइक्क-सारं.  
 सव्वे जिणिंदा सुर-विंद-वंदा,  
 कल्लाण-वल्लीण विसाल-कंदा.  
 .२.  
 निव्वाण-मग्गे वर-जाण-कप्पं, पणासिया-सेस-कुवाइ-दप्पं.  
 मयं जिणाणं सरणं बुहाणं,  
 नमामि निच्चं तिजग-प्पहाणं.  
 .३.  
 कुंदिंदु-गोक्खीर-तुसार-वन्ना, सरोज-हत्था कमले निसन्ना.

## 19. arihanta-ceiyāṇam sūtra

arihanta-ceiyāṇam, karemi kāussaggam.....1.  
 vandaṇa-vattiāe, pūaṇa-vattiāe, sakkāra-vattiāe,  
 sammāṇa-vattiāe, bohi-lābha-vattiāe,  
 niruvasagga-vattiāe.....2.  
 saddhāe, mehāe, dhiīe, dhāraṇāe, aṇuppehāe  
 vaḍḍhamāṇīe, ṭhāmi kāussaggam.....3.  
 annattha... [sūtra-7].....4.

Introduction of the sūtra :-

In this sūtra, there is a description of the emotions during the kāussagga for adoration of jina idols.

वाएसिरी पुत्थय-वग्ग-हत्था,

सूत्र परिचय :-

इस स्तुति की पहली गाथा में श्री ऋषभदेव, शांतिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ और महावीर स्वामी की, दूसरी गाथा में सर्व जिनेश्वरों की, तीसरी गाथा में जिन आगम की और चौथी गाथा में श्रुत देवता की स्तुति है.

## 20. kallāṇa-kandam stuti

kallāṇa-kandam paḍhamam jīṇindam,

santim tao nemi-jīṇam muṇindam.

pāsam payāsam suguṇikka-ṭhāṇam,

bhattii vande siri-vaddhamāṇam.

.1.

apāra-sansāra-samudda-pāram, pattā sivam dintu suikka-sāram.

savve jīṇindā sura-vinda-vandā,

kallāṇa-vallīṇa visāla-kandā.

.2.

nivvāṇa-magge vara-jāṇa-kappam, paṇāsiyā-sesa-kuvāi-dappam.

mayam jīṇāṇam saraṇam buhāṇam,

namāmi niccam tijaga-ppahāṇam.

.3.

## २१. संसार-दावा-नल स्तुति

संसार-दावा-नल-दाह-नीरं, संमोह-धूली-हरणे समीरं .

माया-रसा-दारण-सार-सीरं,

नमामि वीरं गिरि-सार-धीरं .

.१ .

भावा-वनाम-सुर-दानव-मानवेन,

चूला-विलोल-कमला-वलि-मालितानि .

संपूरिता-भिनत-लोक-समीहितानि,

कामं नमामि जिनराज-पदानि तानि .

.२ .

बोधागाधं सुपद-पदवी-नीर-पूराभिरामं,

जीवा-हिंसा-विरल-लहरी-संगमा-गाह-देहं .

चूला-वेलं गुरु-गम-मणी-संकुलं दूर-पारं,

सारं-वीरा-गम-जल-निधिं सादरं साधु सेवे..३ .

kundindu-gokkhīra-tusāra-vannā, saroja-hatthā kamale nisannā.  
vāesirī putthaya-vagga-hatthā,

suhāya sā amha sayā pasatthā.

.4.

Introduction of the sūtra :-

There is a glorification of **śrī ṛṣabhadeva**, **śāntinātha**, **neminātha**, **pārsvanātha** and **mahāvīra svāmī** in the first stanza, of all the **jineśvaras** in the second stanza, of the **jina āgama** in the third stanza, and of the **śruta devatā** [goddess of scriptures] in the fourth stanza of this eulogy.

आमूला-लोल-धूली-बहुल-परि-मला-लीढ-लोलालि-माला- ,  
 झंकारा-राव-सारा-मल-दल-कमला-गार-भूमी-निवासे!  
 छाया-संभार-सारे! वर-कमल-करे! तार-हाराभिरामे!,  
 वाणी-संदोह-देहे! भव-विरह-वरं देहि मे देवि! सारम्. .४.  
 सूत्र परिचय :-

श्री हरिभद्रसूरि द्वारा रचित इस समसंस्कृत-प्राकृत स्तुति में श्री महावीर  
 स्वामी, सर्व जिनेश्वर, जिन आगम और श्रुत देवी की स्तुति की गयी है.

## 21. sansāra-dāvā-nala stuti

sansāra-dāvā-nala-dāha-nīram, sammoha-dhūli-haraṇe samīram.  
 māyā-rasā-dāraṇa-sāra-sīram,  
 namāmi vīram giri-sāra-dhīram.

.1.

bhāvā-vanāma-sura-dānava-mānavena,  
 cūlā-vilola-kamalā-vali-mālitāni.  
 sampūritā-bhinata-loka-samīhitāni,  
 kāmam namāmi jinarāja-padāni tāni.

.2.

bodhāgādham supada-padavī-nīra-pūrābhirāmam,  
 jīvā-hinsā-virala-laharī-saṅgamā-gāha-deham.  
 cūlā-velam guru-gama-maṇi-saṅkulam dūra-pāram,  
 sāram-vīrā-gama-jala-nidhim sādaram sādhu seve.

## २२. पुक्खर-वर-दीवड्ढे सूत्र

पुक्खर-वर-दीवड्ढे, धायइ-संडे अ जंबु-दीवे अ.

भरहेरवय-विदेहे, धम्माइ-गरे नमंसांमि..... .१.

तम-तिमिर-पडल-विद्धं-सणस्स सुर-गण-नरिंद-महिअस्स.

सीमा-धरस्स वंदे, पप्फोडिअ-मोह जालस्स..... .२.

जाई-जरा-मरण-सोग-पणासणस्स,

कल्लाण-पुक्खल-विसाल-सुहा-वहस्स.

को देव-दाणव-नरिंद-गण-च्चिअस्स,

धम्मस्स सार-मुवलब्भ करे पमायं?.

.३.

सिद्धे भो! पयओ नमो जिण-मए नंदी सया संजमे,

देवं-नाग-सुवन्न-किन्नर-गण-स्सब्भूअ-भावच्चिए.

लोगो जत्थ पइट्ठिओ जगमिणं तेलुकक-मच्चासुरं,

धम्मो वड्ढउ सासओ विजयओ धम्मुत्तरं वड्ढउ.

.3.

āmūlā-lola-dhūlī-bahula-pari-malā-līḍha-lolāli-mālā-

jhaṅkā-rā-rāva-sārā-mala-dala-kamalā-gāra-bhūmī-nivāse!.

chāyā-sambhāra-sāre! vara-kamala-kare! tāra-hārābhirāme!,

vāṇī-sandoha-dehe! bhava-viraha-varam dehi me devi!

sāram.4.

Introduction of the sūtra :-

Eulogy of śrī mahāvīra svāmī, all the jineśvaras, jina āgama and śruta devī [goddess of scriptures] has been done in this even sanaskṛta-prākṛta eulogy composed by śrī haribhadra sūri.

.४.

सुअस्स भगवओ करेमि काउस्सग्गं, वंदण-वत्तियाए...

[सूत्र-१९.] . . . . . ५.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र में ढाई द्वीप में विचरने वाले एवं श्रुत ज्ञान की प्ररूपणा करने वाले तीर्थकरों को नमस्कार करके श्रुत ज्ञान की स्तुति की गयी है.

## 22. pukkara-vara-dīvaḍḍhe sūtra

pukkara-vara-dīvaḍḍhe, dhāyai-saṇḍe a jambu-dīve a.  
bharaheravaya-videhe, dhammāi-gare namamsāmi. ....1.

tama-timira-paḍala-viddham-saṇassa sura-gaṇa-narinda-  
mahiassa.

sīmā-dharassa vande, papphoḍia-moha jālassa. ....2.  
jāi-jarā-maraṇa-soga-paṇāsaṇassa,

kallāṇa-pukkala-visāla-suhā-vahassa.

ko deva-dāṇava-narinda-gaṇa-cciassa,

dhammassa sāra-muvalabbha kare pamāyaṃ?

.3.

siddhe bho! payao namo jiṇa-mae naṇḍī sayā sañjame,  
devam-nāga-suvanna-kinnara-gaṇa-ssabbhūa-bhāvaccie.

logo jattha paitṭhio jagamiṇam telukka-maccāsuraṃ,

## २३. सिद्धाणं बुद्धाणं सूत्र

सिद्धाणं बुद्धाणं, पार-गयाणं परंपर-गयाणं.  
 लोअग्ग-मुवगयाणं, नमो सया सव्व-सिद्धाणं. .... .१.  
 जो देवाण वि देवो, जं देवा पंजली नमंसंति.  
 तं देव-देव-महिअं, सिरसा वंदे महावीरं. .... .२.  
 इक्को वि नमुक्कारो, जिणवर-वसहस्स वद्धमाणस्स.  
 संसार-सागराओ, तारेइ नरं व नारिं वा. .... .३.  
 उज्जित-सेल-सिहरे, दिक्खा नाणं निसीहिआ जस्स.  
 तं धम्म-चक्कवट्ठिं, अरिट्ठ-नेमिं नमंसामि. .... .४.  
 चत्तारि अट्ठ दस दो य, वंदिया जिणवरा चउव्वीसं.  
 परमट्ठ-निट्ठि-अट्ठा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु. .. .५.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से सर्व सिद्ध भगवंत और तीर्थकरों की स्तुति की गयी है.

dhammo vaḍḍhau sāsao vijayao dhammuttaram<sub>u</sub> vaḍḍhau.

.4.

suassa bhagavao karemi kāussaggam<sub>u</sub>, vandaṇa-vattiyāe...

[sūtra-19.].....5.

Introduction of the sūtra :-

Saluting the tīrthaṅkaras, the ramblers in dhāi dvīpa and the metaphorical describer of the śruta jñāna; glorification of the greatness of śruta jñāna has been done in this sūtra.

## २४. वेयावच्च-गराणं सूत्र

वेयावच्च-गराणं, संति-गराणं, सम्मद्धिट्ठि-समाहि-गराणं  
करेमि काउस्सगं. .... .१.  
अन्नत्थ... [सूत्र-७.] .... .२.

सूत्र परिचय :-

इस सूत्र से श्री संघ की शांति के लिए सम्यग्-दृष्टि वाले देवों का स्मरण किया गया है.

## 23. siddhāṇam buddhāṇam sūtra

siddhāṇam buddhāṇam, pāra-gayāṇam parampara-gayāṇam.  
loagga-muvagayāṇam, namo sayā savva-siddhāṇam. ....1.  
jo devāṇa vi devo, jam devā pañjalī namamsanti.  
tam deva-deva-mahiam, sirasā vande mahāvīram.....2.  
ikko vi namukkāro, jiṇavara-vasahassa vaddhamāṇassa.  
sansāra-sāgarāo, tārei naram va nārim vā.....3.  
ujjinta-sela-sihare, dikkhā nāṇam nisīhiā jassa.  
tam dhamma-cakkavaṭṭim, arittha-nemim namamsāmi. ....4.  
cattāri aṭṭha dasa do ya, vandiya jiṇavarā cauvvīsam.  
paramattha-nitthi-atthā, siddhā siddhim mama disantu. ....5.

Introduction of the sūtra :-

By this sūtra, the glorification of all the siddha bhagavantas [enlightened lords] and tirthankaras has been done.